शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार
nbt.india
नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025 9 1-9 फरवरी। भारत मंडपम, नई दिल्ली

मेला वार्ता

हम, भारत के लोग... We, the People of India...
थीम गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव 1950-2025

रविवार, 09 फरवरी, 2025

पीएम-युवा लेखकों का योगदान महत्वपूर्ण : धर्मेंद्र प्रधान

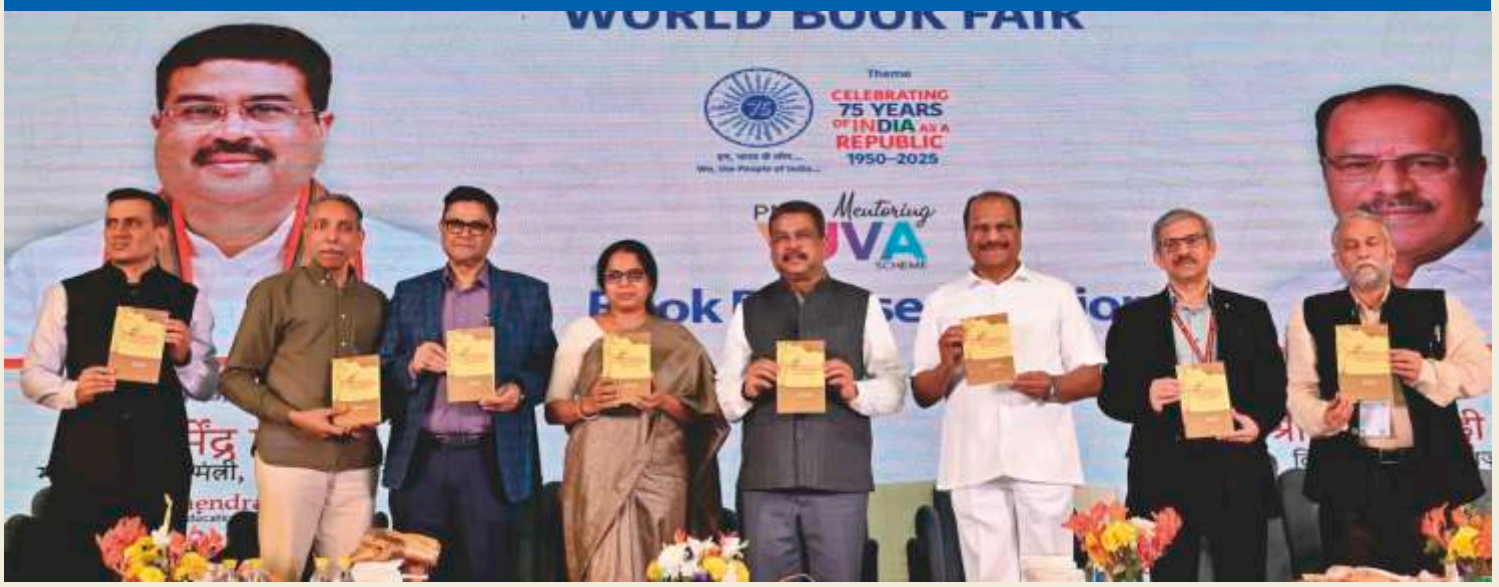

"आज प्रधानमंत्री युवा योजना के अंतर्गत एनबीटी द्वारा प्रकाशित 40 पुस्तकों के माध्यम से भारत ने एक बौद्धिक क्षेत्र में प्रवेश किया है।" नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के थीम मंडप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत और शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की अति महत्वपूर्ण परियोजना, प्रधानमंत्री-युवा 2.0 मेंटरशिप योजना के अंतर्गत प्रकाशित अंग्रेजी समेत कुल 23 भाषाओं की 40 पुस्तकों के लोकार्पण के अवसर पर केंद्रीय शिक्षामंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा यह उद्बोधन किया गया।

लोकार्पण कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित त्रिपुरा के राज्यपाल, श्री इंद्रसेना रेड्डी नल्लू तथा मंच पर उपस्थित अन्य गणमान्य भी सहभागी रहे। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव श्री संजय कुमार, उच्चतर शिक्षा सचिव श्री विनीत जोशी तथा यूजीसी के अध्यक्ष श्री एम. जगदेश कुमार के साथ एनबीटी के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे एवं निदेशक श्री युवराज मलिक की गरिमामयी उपस्थिति रही। विदित हो कि इस योजना का उद्देश्य युवा लेखकों को प्रोत्साहन देना और भारतीय भाषाओं में साहित्य को बढ़ावा देना है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस योजना की सराहना करते हुए पीएम-युवा लेखकों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। इसके अलावा, उन्होंने न्यास से प्रकाशित दो अन्य पुस्तकों का भी लोकार्पण किया। पहली लोकार्पित पुस्तक 'कुदोपली की वीरगाथा : 1857 की अनकही कहानी' के ऐतिहासिक महत्व पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह विषय मेरे हृदय के करीब है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है। विदित हो कि यह पुस्तक 1857 की क्रांति से जुड़ी एक महत्वपूर्ण घटना पर आधारित है। साथ ही, लेखिका लिट्टी चाको की मलयालम पुस्तक 'संघमग्राम माधवनते रंडू कृकिल' का भी लोकार्पण किया गया। यह प्रसिद्ध गणितज्ञ संघमग्राम माधवन के कार्यों पर आधारित है और भारतीय गणित के इतिहास में उनके योगदान को उजागर करती है। इसके अलावा, उन्होंने न्यास से ही प्रकाशित, जम्मू-कश्मीर के संबंध में वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिकता के प्रमाणों पर आधारित पुस्तक, 'जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख : सातत्य और सम्बद्धता का ऐतिहासिक वृत्तांत' के हाल ही में हुए लोकार्पण की भी चर्चा की। इसके साथ ही, माननीय शिक्षामंत्री ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय विद्यालयों और उच्च शिक्षा के लिए भारतीय भाषाओं की पुस्तकों को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराने के लिए 'भारतीय भाषा पुस्तक योजना' शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में सरकार देश के सभी दसवीं एवं बारहवीं स्तर के विद्यालयों में ब्रॉडबैंड के माध्यम से इंटरनेट पहुँचाएगी।

त्रिपुरा के राज्यपाल माननीय इंद्रसेना रेड्डी नल्लू ने इस अवसर पर कहा कि "किताबों में जीवन बदलने, प्रेरित करने और शिक्षित करने की ताकत होती है।" उन्होंने आंध्र प्रदेश के 'लाइब्रेरी मूवमेंट' का उल्लेख करते हुए भाषायी संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया और सभी से पढ़ने और लिखने की आदत को बढ़ावा देने व रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने की अपील की।

एनबीटी के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे ने सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विश्व पुस्तक मेला का यह आयोजन साहित्य, कला और संस्कृति के संगम को दर्शाता है। उन्होंने पीएम युवा मेंटरशिप योजना के अंतर्गत प्रकाशित 41 लेखकों को छह महीने की फेलोशिप प्रदान करने के साथ इस बार तीन-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत इन युवा लेखकों के चयन की जानकारी दी। उन्होंने न्यास की 500 से अधिक पुस्तकों के सांकेतिक भाषा में अनुवाद को लेकर भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के साथ हुए समझौता-ज्ञापन (MoU) का भी उल्लेख किया।

न्यास-निदेशक युवराज मलिक ने धन्यवाद-ज्ञापन करते हुए कहा कि यह पुस्तक मेला विश्व का सबसे बड़ा पुस्तक मेला बन गया है। मंत्री जी के तीन लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे एनबीटी ने पूरा करके दिखा दिया है, जिसमें भारत को ज्ञान की राजधानी बनाना, दिल्ली में पुस्तक मेले को 'ज्ञान का कुंभ' बनाना और पुस्तक मेले को केवल किताबों का नहीं, बल्कि साहित्यिक जागरूकता का भी उत्सव बनाना शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि "पीएम-युवा योजना' विश्व की एकमात्र ऐसी योजना है, जो 22 आधिकारिक भाषाओं एवं अंग्रेजी में संचालित होती है।"

संदेश

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA
Ministry of Education, Govt. of India

प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे
अध्यक्ष
Prof. Milind Sudhakar Marathe
Chairman

'भारत : गणतंत्र @75 : गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव (1950-2025)' थीम के साथ प्रारंभ नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का 32वाँ संस्करण आज अपने समापन की ओर अग्रसर है। नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन देश की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने किया, यह हमारे लिए गौरव और सम्मान की बात रही।

मुझे यह कहते हुए अपार खुशी हो रही है कि भारत के गणतंत्र के 75 वर्षों की पूर्णता को याद करता हुआ यह नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला बेहद सफल रहा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी थीम मंडप पुस्तक मेले का सबसे बड़ा आकर्षण रहा, जहाँ प्रतिदिन अनेकानेक साहित्यिक कार्यक्रम हुए, जिसमें बड़ी संख्या में पुस्तक प्रेमियों की उपस्थिति ने हमारा उत्साहवर्धन किया। बड़ी संख्या में बच्चों और युवाओं के साथ महिलाओं, लेखकों, साहित्यकारों, बुद्धिजीवियों, मीडियकर्मियों आदि का पुस्तक मेले में आगमन यह आश्वस्ति देता प्रतीत होता है कि इंटरनेट और उससे भी आगे ए.आई. के इस समय में मुद्रित पुस्तकों का कोई विकल्प नहीं है। कागज से निर्मित पुस्तकें अब भी आभासी या वर्चुअल पुस्तकों की तुलना में पाठकों की पहली पसंद बनी हुई हैं।

पुस्तक मेले राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने एवं अक्षुण्ण रखने में महती भूमिका निभाते हैं यह भी इस पुस्तक मेले से स्पष्ट हुआ, क्योंकि पुस्तक मेले में आने वाले केवल और केवल पाठक होते हैं–कोई भी अन्य कृत्रिम विभाजन यहाँ परिलक्षित नहीं होता। हमें यह कहते हुए खुशी हो रही है कि पुस्तक मेला का आयोजन करके हम देश को एक पुस्तकीय समाज बनाकर राष्ट्र की सेवा में अपना अल्प योगदान दे पा रहे हैं।

इस वर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का फोकस राष्ट्र रूसी संघ रहा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में रूसी प्रतिनिधि, लेखक, कलाकार तथा विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों का पुस्तक मेले में आगमन हुआ–उनके द्वारा रूस में प्रकाशित पुस्तकों की एक बड़ी प्रदर्शनी लगायी गई तथा चर्चा, विमर्श आदि के अनेक आयोजन हुए, जिससे भारत का पुस्तक समाज अपने मित्र देश रूस के पुस्तक समाज से और अधिक निकट आ सका तथा उसे जान सका। मैं रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रत्येक सदस्य का आभार प्रकट करता हूँ। विदेशी मंडप पर अनेक देशों के अनेक साहित्यिक-सांस्कृतिक आयोजन हुए, यह भी भारतीय पुस्तक समाज को बेहद रुचा।

इस बार पुस्तक मेले में गत वर्ष की तरह ही, फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स (एफओएफ) के हिस्से के रूप में जारी पहल को अच्छा प्रतिभाव मिला।

अंत में, आप सब पुस्तकप्रेमियों को यह जानकारी देने के साथ अपनी बात का समापन करता हूँ कि अगले वर्ष हम इसी भारत मंडपम् परिसर में 10 से 18 जनवरी, 2026 तक नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के आयोजन में फिर से एकत्र होंगे।

नई दिल्ली
09 फरवरी, 2025

(प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे)
अध्यक्ष

प्रधान कार्यालय
5 इंस्टीट्यूशनल एरिया
वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110 070
HEAD OFFICE
5 Institutional Area
Vasant Kunj, New Delhi - 110 070
फोन / Phone : +91 11 26121880
ई-मेल / Email : chairman@nbtindia.gov.in
वेबसाइट / Web : www.nbtindia.gov.in

युवराज मलिक
निदेशक
Yuvraj Malik
Director
Phone : +91 11 26121830
E-mail : director@nbtindia.gov.in
Website : www.nbtindia.gov.in

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA
Ministry of Education, Government of India

एक और नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का सफलता के साथ समापन हो रहा है। इस बार हमने पुस्तक मेले में गणतंत्र भारत के 75 वर्ष (1950-2025) पूर्ण होने का उत्सव मनाया है और इस बहाने भारतीय गणतंत्र एवं संविधान की यात्रा को पुस्तकीय प्रारूप में देखा और अनुभव किया। इस पुस्तक मेला ने हर बार की तरह यह सिद्ध किया कि भारतीय समाज में मुद्रित पुस्तकों का अब भी आकर्षण और लगाव यथावत है, पुस्तकीय समाज पुस्तकें खरीदकर पढ़ने में अब भी अपना विश्वास रखे हुए है। हमारे लिए यह गौरवपूर्ण बात रही कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के करकमलों से हुआ।

हमारे लिए यह भी गर्व का विषय रहा कि माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा एनबीटी से प्रकाशित प्रधानमंत्री युवा मेंटरशिप योजना 2.0 के अंतर्गत प्रकाशित विविध भारतीय भाषाओं की पुस्तकों समेत कुछ अन्य पुस्तकों का भी लोकार्पण किया गया।

नौ दिन चले इस पुस्तकीय और साहित्यिक, सांस्कृतिक आयोजन में लाखों की संख्या में पुस्तकप्रेमियों का पहुँचना पुस्तक संस्कृति के प्रति उनके गहरे लगाव को प्रदर्शित करता प्रतीत हुआ।

इस वर्ष पुस्तक मेले में हमने एक विशिष्ट आयाम, फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के रूप में जोड़ा, जिसका काफी अच्छा प्रतिभाव मिला। देशभर के बहुतेरे साहित्यिक उत्सव से जुड़े संगठन इससे जुड़े। यह भी महत्वपूर्ण रहा कि इस वर्ष पुस्तक मेले में 600 से अधिक साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिविधियाँ हुई, जो पूर्व की तुलना में काफी अधिक थीं। इन गतिविधियों में देशभर से 1100 से अधिक लब्धप्रतिष्ठ लेखक-साहित्यकार शामिल हुए।

इस वर्ष के पुस्तक मेले में रूसी संघ फोकस देश के रूप में शामिल हुआ, यह हमारे लिए खुशी और गौरव की बात रही।

इस वर्ष पुस्तक मेले में हमने लेखक लाउंज के रूप में एक नई पहल के साथ लेखकों को पुस्तक मेले से जोड़ने का एक प्रयास किया, जिसका अच्छा प्रतिभाव भी हमें देखने को मिला।

पुस्तक मेले में माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान के अलावा कई केंद्रीय मंत्री एवं अनेक राज्यों के राज्यपालों एवं कई गणमान्य व्यक्तित्व के आगमन ने पुस्तक मेले को एक विशिष्ट गरिमा प्रदान की।

अंत में, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में भागीदार सभी प्रदर्शकों, प्रकाशकों, वितरकों, आगंतुकों, पुस्तकप्रेमियों, हमारी सहयोगी संस्था आई.टी.पी.ओ., दिल्ली पुलिस तथा अन्य प्रशासकीय विभागों तथा अंत में, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के मेरे समस्त सहकर्मियों के प्रति मैं अपना आभार और धन्यवाद प्रकट करता हूँ, जिनके सहयोग के बिना पुस्तक मेले का इतना बड़ा आयोजन सफल नहीं हो पाता।

नई दिल्ली
09 फरवरी, 2025

(युवराज मलिक)
निदेशक

मुख्यालय
HEAD OFFICE
5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
5 Institutional Area, Vasant Kunj, New Delhi-110 070

तनाव में पुस्तक ही जीवन का सबसे बड़ा साथी : ओम बिड़ला

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा गुलाब कोठारी की पुस्तक 'स्त्री : देह से आगे' और 'बॉडी माइंड इंटेलेक्ट : ट्रिगरिंग दि सोल फोर्स' के लोकार्पण एवं चर्चा का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला रहे। लेखक श्री गुलाब कोठारी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे एवं न्यास-निदेशक श्री युवराज मलिक की गरिमामयी उपस्थिति में प्रस्तुत पुस्तक का लोकार्पण कार्यक्रम थीम मंडप में संपन्न हुआ। श्री बिड़ला ने अपने वक्तव्य की शुरुआत में कहा "गुलाब कोठारी मेरे अच्छे मित्र हैं और उनकी पुस्तक के लोकार्पण के अवसर पर मैं उन्हें शुभकामनाएँ देता हूँ। इस पुस्तक के माध्यम से भारतीय समाज में स्त्री के महत्व को विभिन्न दृष्टिकोणों से प्रस्तुत किया गया है। इसमें स्त्री के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, संवेदनात्मक और मातृत्व से जुड़े पहलुओं पर गहन विचार किया गया है। वेदों में स्त्री को जिस सम्मान का स्थान प्राप्त था, उसे आज के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में पुनर्स्थापित करने के उद्देश्य से इस पुस्तक में एक नई दृष्टि और विचारधारा को रखा गया है।" श्री बिड़ला ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि "जब कभी तनाव में हों, अवसाद में हों, मानसिक पीड़ा में हों, तो पुस्तक ही आपके जीवन का सबसे बड़ी साथी है, जो हर चुनौतियों से लड़ने का साहस और चुनौतियों से निकलने का रास्ता बताती है।"

पुस्तक लोकार्पण के बाद श्री कोठारी ने सबसे पहले 'स्त्री : देह से आगे' पुस्तक के माध्यम से स्त्री के अर्थ को बताया। "'स्' से अभिप्राय ब्रह्म या पुरुष है और 'त्र' हम त्रिगुण या प्रकृति को कहते हैं। जहाँ इन दोनों का सम्मिलन है, वहीं त्रिवेणी का संगम है, वहीं कुंभ है।" उन्होंने स्त्री और पुरुष के जरिये सृष्टि को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने दिव्यता को समझने के लिए माँ-पुत्र के रिश्ते का उदाहरण देते हुए कहा कि बिना भाषा के माँ अपने बच्चों को समझ लेती है, इसका कुछ तो कारण होगा।

बाल मंडप

स्कॉलास्टिक द्वारा आयोजित एक रोचक कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी पसंदीदा किताबों के पात्र जेरोनिमो और क्लीफर्ड से मुलाकात की। इस संवादात्मक कहानी सत्र और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने भरपूर आनंद लिया। इस कार्यक्रम ने बच्चों में पढ़ने की रुचि को बढ़ाने का काम किया। अंत में सभी बच्चों ने झूमते-नाचते हुए जेरोनिमो और क्लीफर्ड को अलविदा कहा। इसके बाद चिल्ड्रेन ऑथर्स मीट कार्यक्रम में हरलीन कौर मल्होत्रा, करण ज़ोरावर सिंह, रणबीर सिंह मल्होत्रा, श्रेयशी शुक्ला और अरिमा ने लेखन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। इस सत्र ने युवा लेखकों को लेखन के प्रति नई दृष्टि दी और उनकी रचनात्मकता को और निखारने का अवसर प्रदान किया।

'किताबें हमारी दोस्त' निःशुल्क पुस्तकालय, तुगलकाबाद से आईं पियाली धर ने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के सहयोग से पिक्शनरी सत्र का आयोजन किया। उन्होंने बच्चों को मंच पर बुलाया, उन्हें चित्र बनाने के लिए शब्द दिए और दूसरे बच्चों ने उन शब्दों का अनुमान लगाया।

वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी द्वारा 'टुडेज चिल्ड्रेन ड्रॉइंग टुमारोज इंडिया' सत्र आयोजित हुआ, जिसमें बच्चों ने रोबोट, उड़ने वाली कारें और आर्थिक समृद्धि से भरे भविष्य के भारत की कल्पना की। उनकी रचनात्मकता से स्पष्ट हुआ कि वे तकनीकी और आधुनिक भारत की ओर देख रहे हैं। यह आयोजन बच्चों की कल्पनाशीलता और सोचने की क्षमता को विकसित करने के लिए किया गया।

सिमी श्रीवास्तव ने कथावाचन सत्र में 'रूस्टर रागा' की कहानी सुनाई, जिसमें 'रू-रू' नाम का मुर्गा 'क्वैक, क्वैक' बोलने में असमर्थ था, लेकिन दादा जी की सीख से उसमें आत्मविश्वास आया और अपनी अनोखी आवाज में गाना गाया। यह कहानी बच्चों को स्वयं को स्वीकारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का संदेश देती है। इस प्रेरणादायक सत्र ने बच्चों को खुद पर गर्व करना सिखाया।

रूसी लेखक और विद्वान इगोर माल्याशेव ने बच्चों को 'नार्ट एपिक ऑफ द कॉकेसस एंड कॉकेसियन ट्रेडिशंस ऑफ एजुकेशन' से रोचक कहानियाँ सुनाईं। उन्होंने कॉकेसस क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति और शिक्षा परंपराओं पर चर्चा की। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में वैश्विक साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना था।

एनसीसीएल द्वारा बच्चों के लिए विशेष बाल फिल्म स्क्रीनिंग आयोजित की गई। आज की स्क्रीनिंग में 'केटीबी-भारत हैं हम', 'टीन टाइटन्स गो बनाम टीन टाइटन्स' और 'टॉम एंड जेरी-शरलॉक होम्स' जैसी मनोरंजक और शिक्षाप्रद फिल्में दिखाई गईं, जिसका उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ सीखने का अवसर देना था। बच्चों ने उत्साह के साथ इन फिल्मों का आनंद लिया और नई बातें सीखीं।

साहित्यिक गतिविधियाँ

द ग्रेट इंडियन बुक टूर और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू एडवर्सिटी : द एल्केमी ऑफ पेन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इशिता सिंह ने कहा कि "रचनात्मकता के द्वारा डिप्रेशन से निकला जा सकता है।" मीतू सहगल ने कहा कि भगवद्गीता और स्वामी विवेकानंद को पढ़ने के बाद उनकी जिंदगी बदल गई। इस कार्यक्रम में सरोज दुबे, संजय लज़ार उपस्थित रहे। मंच संचालन कनिका शर्मा ने किया।

द ग्रेट इंडियन बुक टूर और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'मेकिंग फिक्शन मोर इंगेजिंग' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अखिल ने कहा कि "ह्यूमर से फिक्शन को अधिक रोचक बनाया जा सकता है।" इस कार्यक्रम में शालिनी, आशीष दत्ता और चेतन बत्रा उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रियशा मोहंती द्वारा किया गया।

एशियन लिटरेरी सोसायटी और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'वुमन पोएट्री मीट' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शेहला अहमद ने अपनी कविता 'द मिराज ऑफ हेल्प' सुनाई। किरेन बबल ने अपनी कविताएँ—'सड़क', 'घर के साथ कहा-सुनी' और 'कल' सुनाईं। कार्यक्रम में रूपाली मिस्त्री और पी.डी. जोना की उपस्थित रहीं। मंच संचालन विशाखा दत्त ने किया।

ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'फर्टाइल ग्राउंड : एजेंट्स बुकसेलर्स एंड लाइब्रेरियंस हू नर्चर राइटिंग एंड रीडिंग इन नॉर्थईस्ट' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रितुपर्णा ने कहा कि "वह तीन कम्युनिटी लाइब्रेरी चलाती हैं।" इस कार्यक्रम में मेरी थेरेसे कुरुकलांग, रमन श्रेष्ठ, वनलालरुता राल्ते उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्वाति दफ्तुआर द्वारा किया गया।

ब्रह्मपुत्र लिटरेचर फेस्टिवल और फेस्टिवल ऑफ फेस्टिवल्स के संयुक्त तत्वावधान में 'यूनिवर्सेस इन वर्ड्स : ट्रांसलेटर्स ऑन हाउ दे ट्रांसलेट' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनमोल प्रसाद ने कहा कि अनुवाद हमें दूसरी भाषाओं और संस्कृतियों को समझने का अवसर प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में मित्रा फुकन उपस्थित रहीं। संचालन आर. शिवप्रिया ने किया।

साहित्य विमर्श प्रकाशन द्वारा सुरेंद्र मोहन पाठक की पुस्तक 'कूपर कंपाउंड' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। सुरेंद्र पाठक ने अपनी इस पुस्तक पर तथा उपन्यास लेखन के तकनीकी पक्षों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि "जो बात मैं कभी कह नहीं पाता उन्हीं बातों को अपने किरदार से कहलवा कर वाहवाही बटोरता हूँ।" इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में विशी सिन्हा, मुबारक अली उपस्थित रहे।

हाइब्रो स्क्राइब पब्लिकेशन द्वारा शौर्य चक्र से सम्मानित ग्रुप कैप्टन प्रमोद कुमार पर आधारित पुस्तक 'वायु योद्धा' का लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक को उनकी पत्नी अर्चना जैन द्वारा लिखा गया है। पुस्तक पर चर्चा करते हुए मेजर मोहब्बत अली शाह ने कहा कि बच्चे पढ़ना भूल रहे हैं, उनमें पढ़ने की आदत डालिए और उन्हें अच्छी पुस्तकें दीजिए। इस मौके पर ग्रुप कैप्टन संदीप धागा, वंदना भाटिया पल्ली, मेजर जनरल देवेंद्र असीजा भी उपस्थित थे।

डायमंड प्रकाशन द्वारा किरण बेदी की पुस्तक 'ट्रांसफॉर्मिंग प्रिजंस' का लोकार्पण एवं चर्चा की गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयदेव सिंह सारंगी ने कहा, "किरण बेदी हमारी ऐसी नेत्री हैं, जो लोगों की बात सुनती हैं और अपनी आलोचनाएँ भी सुनती हैं।" संजय गुप्ता ने भी किरण बेदी के साथ अपने कार्यों के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कैसे किरण बेदी ने 1200 कैदियों के लिए जेल में विपश्यना का कैंप लगाकर एक अनूठी पहल की, जिससे कैदियों के पुनर्वास में मदद मिली।

प्रकाशन संस्थान द्वारा देवकन्या ठाकुर की पुस्तक 'शारंग' का लोकार्पण किया गया तथा उस पर चर्चा की गई। पुस्तक की लेखिका देवकन्या ने जनजातीय महिलाओं के संपत्ति के अधिकार पर अपना वक्तव्य दिया और इसके बाद काव्यपाठ भी किया। इस मौके पर पद्मश्री चंद्रप्रकाश द्विवेदी, रविंद्र पाठक, अमित तिवारी समेत कई अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे।

विनसर पब्लिशिंग कं. द्वारा डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' की पुस्तक 'रम्माण' और 'हिमालय में राम' का लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक पर डॉ. दत्ता राम पुरोहित, साकेत बहुगुणा, मनु पवार ने अपने विचार व्यक्त किए। साकेत बहुगुणा ने कहा कि जनगणना या कहीं भी भाषायी पहचान में अपनी मातृभाषा को ही दर्ज करें। डी.आर. पुरोहित ने यूनेस्को द्वारा घोषित वैश्विक धरोहर 'रम्माण' तथा उत्तराखंड में होने वाली 'रामलीला' के विषय में पाठकों का ज्ञानवर्धन किया।

इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर

व्हाइट लोटस बुक शॉप, नेपाल द्वारा नेपाली पत्रिका 'प्रतीक'स हिमालयन लिटरेचर फेस्टिवल' स्पेशल इश्यू, टीना केन की 'पोएट्री इज ब्रेड : द एंथोलॉजी', इवाल्ड फ्लीजर'स' द्वारा लिखित 'ऐलिस इन क्रेजी लैंड', पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। गोस्वामी ने 'व्हाइट चैपल ड्रीमिंग' एवं रूमी नकवी ने 'जस्ट अ डोंकी' कविता सुनाई। इस कार्यक्रम में नेपाल के कवियों ने काव्यपाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सोनू सैनी द्वारा अनूदित बाईलिंगुअल बुक्स (इंग्लिश-रशियन) तथा (हिंदी-रशियन) 'व्हाई?', 'व्हाट इज अ ट्री?', 'रूपा द एलिफेंट', 'अ फ्रेंड फॉरएवर', 'मीता एंड हर मैजिक शूज' पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर रूसी लेखक इगोर सिड ने कहा कि "सोवियत संघ के विघटन से भारत में रूसी साहित्य कहीं खो गया था, परंतु सोनू सैनी, रंजना सक्सेना और अनिल जनविजय जैसे लेखकों ने इसे पुनर्जीवित कर दिया है।

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास एवं एंबेसी ऑफ डोमेनिकन रिपब्लिक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में न्यास द्वारा अनूदित डोमेनिकन गणराज्य की 'कैटा एंड लीना' तथा 'अपसाइड डाउन' पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर डेविड पुइग ने बताया कि इन किताबों में डोमिनिकन रिपब्लिक संस्कृति की झलक है, लेकिन इनकी कहानी सार्वभौमिक है। न्यास-निदेशक युवराज मलिक ने डेविड पुइग को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से दो संस्कृतियों के बीच मूल्यों एवं साहित्य का आदान-प्रदान होता है।

द कम्यूनिटी सेंटर, अबूधाबी, यूएई द्वारा 'द रोल ऑफ रिसर्च एंड पब्लिशिंग इन प्रोमोटिंग वैल्यूज ऑफ कोएग्जिस्टेंस' विषय पर संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हसन अल-मारजूकी एवं बखीता अल-रेमेथी ने हिस्सा लिया। चर्चा की शुरुआत करते हुए हसन अल-मारजूकी ने कहा कि "पब्लिकेशन संस्कृति के आदान-प्रदान का एक द्वार है और किसी भी संस्कृति एवं समाज को पुस्तकें पढ़कर समझा जा सकता है।" वहीं मनारा रिसर्च सेंटर की निदेशक बखीता अल-रेमेथी ने कहा कि "आज के समय में जिसके पास जितनी अधिक जानकारी है, वह उतना अधिक ताकतवर है। उन्होंने कहा हमें फेक न्यूज के विरुद्ध जागरूकता बढ़ानी चाहिए। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. जिकरूर रहमान ने किया

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास एवं जापान फाउंडेशन द्वारा आयोजित पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में मारिको शिंज्यु द्वारा लिखित एवं सुश्री वर्षा दास द्वारा अनूदित 'मोत्ताइनाइ ग्रैंडमा गोज टू द मैजिक लैंड' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में कोजी योशीदा, मोरियो किताउका, यिआ सहाशी, योशिआकी कोगा एवं एनबीटी के निदेशक युवराज मलिक ने भाग लिया। इस संवाद सत्र के दौरान खोजी योशीदा ने इस पुस्तक को 10 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित करने के लिए एनबीटी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक के माध्यम से बच्चे पर्यावरण के प्रति जागरूक होंगे। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक कुमार विक्रम ने एनबीटी के संपादकीय विभाग को बधाई दी। इस कार्यक्रम का संचालन श्री संजय पंडा ने किया।

तस्वीरों में नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2025

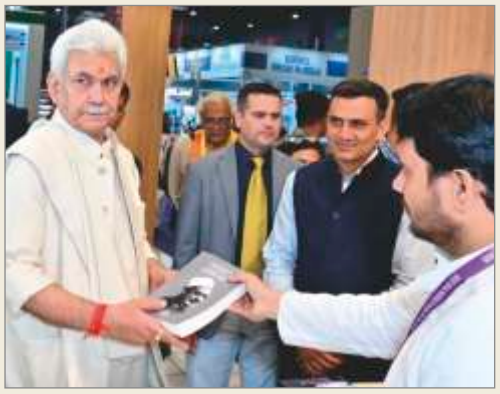

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम की संध्या में आज 'मैत्रेयी एंड फ्रैन्ड्स' तथा 'हरगुन कौर लाइव' का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

आचार्य बालकृष्ण जी ने अपनी पुस्तक 'विश्व हर्बल विश्वकोश की चेकलिस्ट पर दीपाली वशिष्ठ से संवाद किया।

भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और डॉ. सी. राजकुमार ने भारतीय संविधान की उत्पत्ति और उसकी प्रासंगिकता पर संवाद किया।

रविवार, दिनांक 09 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर : हॉल सं. 4	
12:00-12:50	चर्चा : ऑन 'ग्रोथ ऑफ सुपर ऍप्स एंड फिन टेक इन इंडिया', नेहा मेहता	
	थीम मंडप : हॉल सं. 5	
11:00-11:45	किशोर साहित्य परियोजना की पुस्तकों का लोकार्पण	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
12:00-12:45	कैलाश खेर–'संगीत से पाण्डुलिपि तक'	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
01:00-01:45	अमृतकाल के दौरान लोक प्रशासन का बदलता स्वरूप *पैनलिस्ट* : पवन कुमार, डॉ. संजय अलंग, अजय शंकर पांडेय, डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी	राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
02:00-02:45	'मनी मैटर्स : यंग ड्रीमर्स के लिए एक रोड मैप'; अंकुर वारिकू	भारत लिटरेचर फेस्टिवल
03:00-03:45	'कौन जीतने की हिम्मत करता है : भारत के सबसे निडर की कहानी'; *पैनलिस्ट* : लेफ्टिनेंट जनरल वाई.के. जोशी, रचना बिष्ट रावत, स्वप्निल पांडे, शिव अरूर	पेंगुइन रैंडम हाउस
	बाल मंडप : हॉल सं. 6	
10:15-11:00	टॉम एंड जेरी बर्थडे कार्ड फन	वार्नर ब्रॉस डिस्कवरी
11:15-12:00	कथावाचन सत्र	विनीता जुत्शी
12:10-12:20	अपने पसंदीदा कार्टून चरित्रों से मिलिए	टॉम एंड जैरी
12:30-01:00	पुस्तक पठन और संवाद सत्र	अंकिता अग्रवाल
01:00-01:45	चिल्ड्रन ऑथर'स मीट	एनसीसीएल
02:00-02:45	कराडी टेल्स के साथ स्टोरीटाइम	जानकी सबेश
03:00-03:45	चिल्ड्रन ऑथर'स मीट	स्कॉलास्टिक
04:15-06:15	बाल फिल्मों की स्क्रीनिंग	एनसीसीएल
	लेखक मंच : हॉल सं. 2	
11.00-11.45	उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र
12:00-12:45	'सोशल मीडिया के युग में बाल एवं युवा साहित्य के बदलते स्वरूप' विषय पर परिचर्चा, 'टिमटिमाते जुगनू' लेखिका–अनिता चंद; पुस्तक लोकार्पण और चर्चा; *वक्ता* : मनोज कृष्णन	एशियन लिटरेरी सोसा. FoF
01.00-01.45	'एशियन लिटरेरी सोसायटीज ग्रुप पोएट्री मीट'; *वक्ता* : मनोज कृष्णन, अनिता चंद, बिशाखा शर्मा, शिवप्रिया, वंदना भसीन (*संचालन*)	एशियन लिटरेरी सोसा. FoF
03.00-03.45	'कांग्रेस प्रेसिडेंट फाइल', लेखक–विष्णु शर्मा, पुस्तक पर चर्चा	प्रभात प्रकाशन FoF
04.00-04.45	पुस्तक 'मेरी प्रेरणाएँ : वो पॉजिटिव विचार जो मुझे एनर्जी देते हैं' का लोकार्पण व चर्चा *वक्ता* : रवि दहिया, दीपक पुनिया, विक्रांत महाजन	सुपरपॉजिटिविटी बुक्स
05.00-05.45	'धर्मवीर भारती की पत्रकारिता से जुड़े संस्मरणों का संकलन' पुस्तक लोकार्पण व चर्चा *वक्ता* : अनुराग चतुर्वेदी, प्रणव प्रियदर्शी, पल्लव, हरिवंश नारायण (उपसभापति, राज्यसभा)	साहित्य विमर्श प्रकाशन
06.00-06.45	'द न्यू वेव इन चिल्ड्रंस लिटरेचर', पुस्तक लोकार्पण व चर्चा; *वक्ता* : बरखा शर्मा एवं अंचल बेदी	रूपा पब्लिकेशन
07.00-07.45	आजादी के अमृत महोत्सव पर चर्चा एवं पुस्तक लोकार्पण; सुभाष चंदर, गिरीश पंकज, ऋषि कुमार शर्मा, डॉ. आरती स्मित, रिंकल शर्मा, रजनी गुप्त, उर्मिला शिरीष, आलोक यात्री, शिवराज सिंह, राजीव तनेजा	अद्विक प्रकाशन

रविवार, दिनांक 09 फरवरी, 2025 को आयोजित होने वाले कार्यक्रम

समय	कार्यक्रम	आयोजक
	ऑथर्स कॉर्नर : हॉल सं. 5	
10:00-10:45	एनचांटिंग रीड्स विद तुलिका सरकार एंड अदिति द्विवेदी; विनी भाटी (*संचालन*)	ओम बुक्स इंटरनेशनल
11:00-11:45	पुस्तक लोकार्पण एवं चर्चा : 'लीड स्मार्ट इन द एआई एरा', अमित कुमार जैन, सरभि जैन	अमित कुमार जैन
12:00-12:45	लव इन दि एयर; *पैनलिस्ट* : स्तुति चंगले, नोना उप्पल (*संचालन*)	पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (FoF)
01:00-01:45	'खुदीराम बोस : यंग मार्टर्स ऑफ प्री-इंडीपेंडेंस' का पुस्तक लोकार्पण एवं चर्चा	इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स
02:00-02:45	मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में फिक्शन की भूमिका; *पैनलिस्ट* : निकिता टाक, स्मिता दास जैन, प्रीति नायर नायक, हर्मिट पेन, सुजाता तातेर (*संचालन*)	द ग्रेट इंडियन बुक टूर (FoF)
03:00-03:45	सेल्फ डिस्कवरी थ्रू फिक्शन राइटिंग; *पैनलिस्ट* : चारु वशिष्ठ, स्वप्निल अरोड़ा, अभिषेक सिन्हा, ऋचा मोहन, नंदिता कौशिक (*संचालन*)	द ग्रेट इंडियन बुक टूर (FoF)
04:00-04:45	द इंपॉर्टेंस ऑफ रीडिंग : लाइफ लेसन सेल्फ डिस्कवरी इंस्पिरेशनल जर्नी थ्रू बुक्स *पैनलिस्ट* : सिद्धार्थ सेन, मृदुस्मिता दास, दर्शना, प्रद्युम्न उप्पल, ऋचा मोहन	द ग्रेट इंडियन बुक टूर (FoF)
05:00-05:45	कन्फैशंस ऑफ स्टॉक मार्केट विज़ार्ड्स विद साफिर आनंद एंड कुणाल सरावगी; अंशु खन्ना (*संचालन*)	ओम बुक्स इंटरनेशनल
07:00-07:45	क्राफ्टिंग वर्सेज़ एंड नरेटिव्स—द आर्ट ऑफ राइटिंग एक्रॉस जेनरस एंड बिल्डिंग लिटरेरी कम्युनिटीज *पैनलिस्ट* : सोनिया सहजवानी, रोमिता खुराना साहनी, रुचि शर्मा कपूर, जोई, सुरेश कुचिभटला, नगमा पीके (*संचालन*)	माई सीक्रेट बुकशेल्फ एंड एनेकडोट पब्लिशिंग हाउस (FoF)
	सांस्कृतिक कार्यक्रम (एंफीथिएटर 1)	
12:30-01:30	तबला प्रस्तुति	रा.पु. न्यास
02:00-02:15	कथक कला केंद्र की प्रस्तुति	रा.पु. न्यास
06:00-07:00	सेलिब्रेटिंग विद शिवा एंड अमीश	रा.पु. न्यास
07:00 बजे से	विहाग बैण्ड लाइव	रा.पु. न्यास

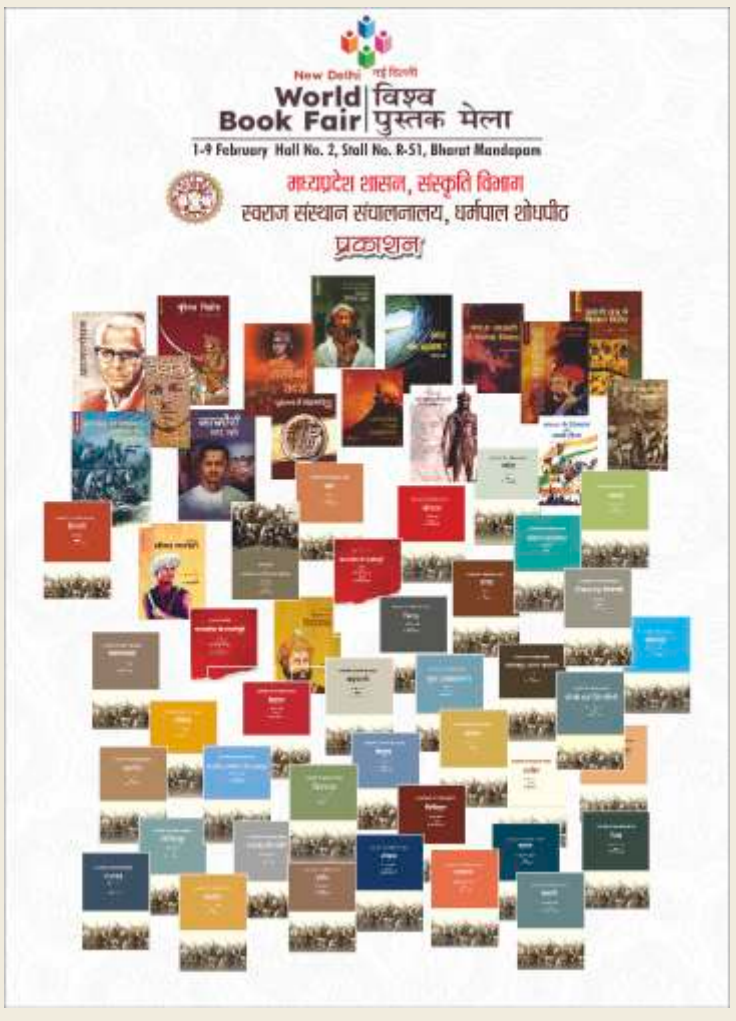

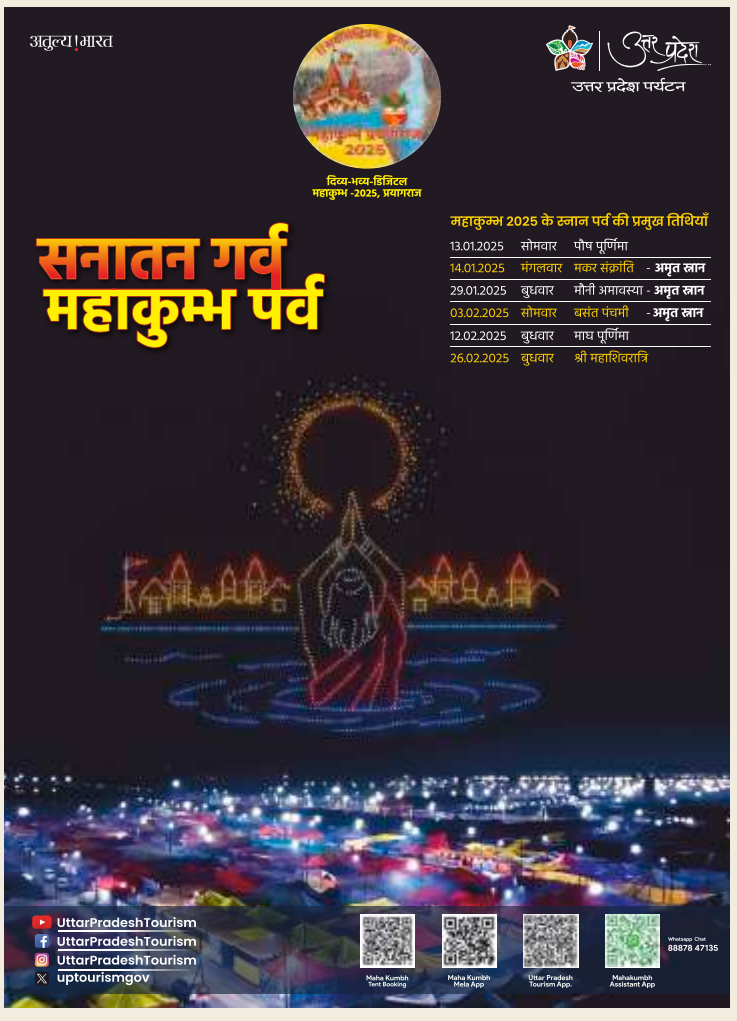

पुस्तक मेला के बारे में सामान्य जानकारी

भारत मंडपम् : कहाँ पर क्या

मेले की अवधि : 01 - 09 फरवरी, 2025
समय : प्रातः 10 से रात्रि 9 बजे तक
स्थान : हॉल सं. 2 से 6

हॉल संख्या 2	**हॉल संख्या 2 और 3**
लेखक मंच	हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के प्रकाशक
हॉल संख्या 3 (मेजानिन)	**हॉल संख्या 4**
नई दिल्ली राइट्स टेबल	विदेशी मंडप, डिजिटल अनुभव क्षेत्र
ऑथर्स लाउंज	इंटरनेशनल इवेंट्स कॉर्नर, विदेशी भागीदार
हॉल संख्या 5	**हॉल संख्या 6**
थीम मंडप (भारत : गणतंत्र @75)	बाल मंडप, बाल प्रकाशक
ऑथर्स कॉर्नर,	टॉय-इंटीग्रेटेड लर्निंग एंड एजुकेशनल ऐड्स
सामान्य एवं व्यापार (प्रदर्शनी)	डिजिटल अनुभव क्षेत्र, दर्शन और अध्यात्म,
एंफीथिएटर 1	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान
सांस्कृतिक कार्यक्रम	एवं मानविकी

प्रवेश : गेट नं. 10 (सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन), शटल सेवा उपलब्ध, गेट नं 4, गेट नं. 3
नोट : व्हील चेयर की सुविधा गेट नं 4, 3 और 10 पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, मोबाइल बैंक एटीएम वाहन और एंबुलेंस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

भाषावार प्रकाशक

1. **हिंदी** : 153, 2. **उर्दू** : 20, 3. **संस्कृत** : 4, 4. **मलयालम** : 2, 5. **पंजाबी** : 6, 6. **तमिल** : 1, 7. **बांग्ला** : 3, 8. **अंग्रेजी** : 337, 9. **सिंधी** : 2, 10. **मैथिली** : 2, 11. **ओड़िया** : 4

हमसे यहाँ भी जुड़ें

https://twitter.com/nbt_india | https://www.facebook.com/nationalbooktrustindia/
https://in.linkedin.com/company/nationalbooktrustindia
https://www.youtube.com/user/NBTIndia | https://www.instagram.com/nbtindia/
https://www.kooapp.com/profile/nbtindia | अधिक जानकारी के लिए **www.nbtindia.gov.in** पर जाएँ

मेला वार्ता के लिए समाचार, सूचना एवं सुझाव ई-मेल **melavartandwbf@gmail.com** पर भेजे जा सकते हैं।
प्रकाशन हेतु सामग्री **मेला वार्ता** के **हॉल संख्या 6** के पास स्थित कार्यालय को भी दी जा सकती है।

20 मेट्रो स्टेशन पर पुस्तक मेले के टिकट उपलब्ध

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला देखने आने वालों के लिए दिल्ली मेट्रो ने एक अच्छी सुविधा उपलब्ध कराई है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 20 मेट्रो स्टेशनों पर पुस्तक मेले के लिए प्रवेश के टिकट उपलब्ध होंगे।

टिकट दर : वयस्क– 20 रुपये, बच्चे– 10 रुपये। छात्रों (विद्यालय की यूनिफॉर्म में), वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश निःशुल्क है।

जिन मेट्रो स्टेशनों पर टिकट उपलब्ध होंगे, वे इस प्रकार हैं–

1. रेड लाइन : रिठाला, दिलशाद गार्डन, वेलकम; **2. ब्ल्यू लाइन :** कीर्ति नगर, मंडी हाउस, सुप्रीम कोर्ट, वैशाली, नोएडा सिटी सेंटर, बोटैनिकल गॉर्डन, इंद्रप्रस्थ, नोएडा सेक्टर-52, द्वारका; **3. येलो लाइन :** विश्वविद्यालय, जीटीबी नगर, कश्मीरी गेट, राजीव चौक; **4. वॉयलेट लाइन :** आईटीओ; **5. ग्रीन लाइन :** मुंडका; **6. पिंक लाइन :** आईएनए; **7. मैजेंटा लाइन :** हौजखास।

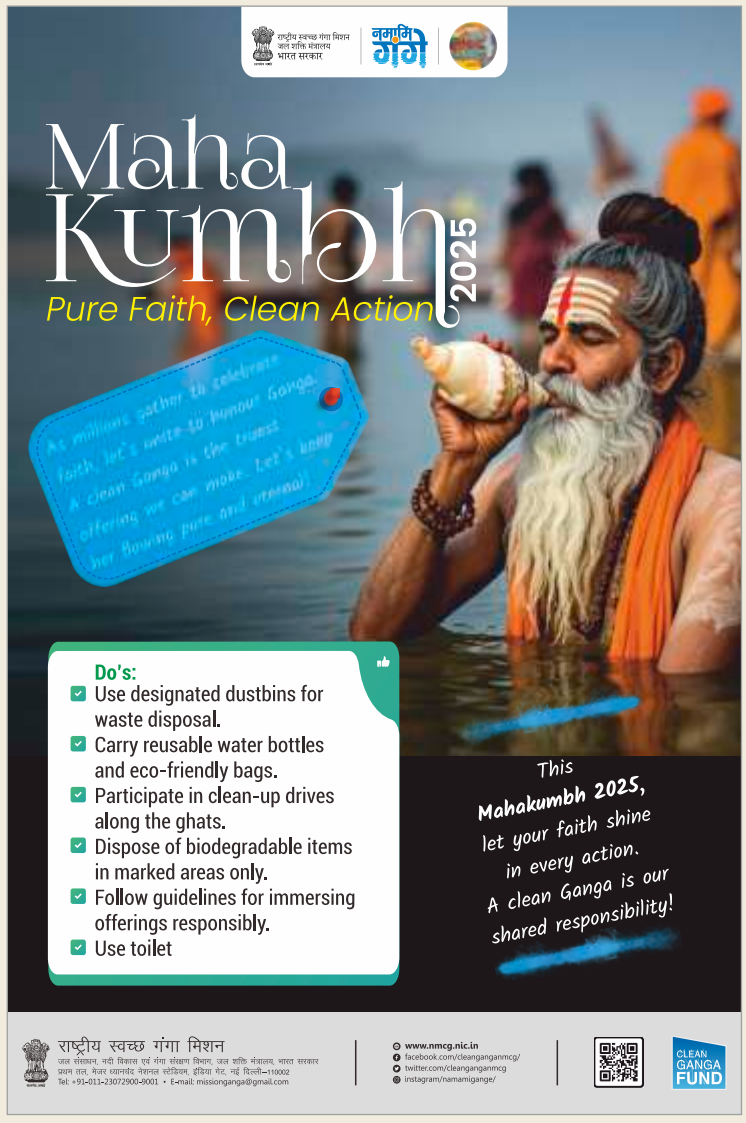

संपादक
दीपक कुमार गुप्ता

संपादकीय सहयोग
विजयलक्ष्मी पाण्डेय
कमलेश पाण्डेय
सुधीर नाथ झा

उत्पादन
पवन दूबे

लेआउट एवं सज्जा
ऋतुराज शर्मा

टंकण
ब्रजेश बनवारी

संवाददाता
सोनी सिंह, श्रीकान्त कुमार, मृणाल तिवारी, ऋतुराज, नमन दीक्षित

मेला वार्ता, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 32वें नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के लिए प्रकाशित विशेष बुलेटिन है। इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से न्यास का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

श्री युवराज मलिक, *निदेशक*, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित एवं मे. सालासर इमेजिंग सिस्टम्स, ए-97, सेक्टर-58, नोएडा-201301 द्वारा मुद्रित।